

सामने रहा। जब पक्षी ने कहा कि उसका मान हो नहीं। नहर पुल के समीप पानी में पुलिस ने पोस्ट मार्टिम के बाट शव विसर्जन कर तेज गती से लौट रहा परिजनों को सौप दिया।

यह तो उपर्युक्त नाम हो नहीं। कार्यक्रम संयोजिका नमिता लिखारी, श्वेता चंद्रेल एवं कल्पना रघुवंशी हैं।

इसाइब का ना सम्मत होना यापन गये। मुख्य अतिथि आपना दल एवं राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य डा हरीशकर पटेल ने कहा कि राष्ट्र का अतिथि रामकृष्ण हुड्डे ने कहा कि

आपका जल राजा है। उमा ने हर सम्भव सहयोग देते रहने का आश्वासन दिया। विशेष

खबर विवार

कृषि इंजीनियरिंग कालेज में एक दिवसीय कार्यक्रम, विशेषज्ञों ने लिया भाग

किसानों को प्रभु का रूप मान उनके उत्थान का कार्य करें

कार्यालय संचादकारा, इटावा

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय का नपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग के तत्त्वावधान में सुशील खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निदेशन में इटावा कैपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेन्स को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। वेबीनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रमणि मिश्र ने अवगत कराया कि मूल्य संवर्धन



सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण पर वेबीनार वेबीनार के लिए कार्य करने को प्रोत्तित किया।

सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक पर वेबीनार

के लिए कार्य करने को प्रोत्तित किया।

अधिष्ठाता कृषि इंजीनियरिंग कालेज डॉ. पनके शामा ने अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40 परिमाण उत्पाद बवांद हो रहा है। अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास करने चाहिए। वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैपस में अध्यनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉ. पौड़ी शामा प्रोफेसर पूसा

समस्तीपुर, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक सार्वीर, डॉ. आनंद किलोर सहायक प्राध्यापक सोनीपति, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन विषय विशेषज्ञ मधुबनी, डॉ. सीतेश कुमार सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉ. युशवृकुमारी वैज्ञानिक एवं डॉ. आरआई करनाल ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. शामा ने इन वेबीनार के आयोजन के लिए डॉ. युशवृकुमारी, प्रोफेसर अनीत सिंह, इंजीनियरिंग कैसर खान, डॉ. कंको पटेल, डॉ. टीके महेश्वरी महित सभी को धन्यवाद जापित किया। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग कॉलेज के नौरजा शामा और मलीहा खान मन ने सहयोग दिया।

मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है कुलपति

**सच की अहमियत ब्यूरो चीफ
नफीस अंसारी**

इटावा बंद्रेश्वर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फॉड इंजीनियरिंग विभाग तारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च को दो प्रमुख विषयों परिसर्वे तकनीकी और गैर तकनीकी भौती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रवाहित विषयों पर एक दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निदेश में इटावा कैफ्स पर निरंतर एकाडमिक कैफ्सोलेस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त सेमिनार में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इमणि मिश्रा ने बताया कि मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में बैंगनिकण को किसान छान कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उन्नयन के लिए कार्य करने को प्रेरित



किया। डॉक्टर एन के शर्मा ने बताया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उपाद बढ़ाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस सेमिनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य छात्राओं के माथ-माथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत करना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी. डी. शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक

साथी, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सतीश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय गंधी, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरएनई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेदीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अंजलि सिंह, इंजीनियरिंग कूसफ खान खान डॉक्टर के के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया इसी प्रकार पूर्व के सेमिनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हायरिंग टेंडर, इंजीनियरिंग क्षेत्र में नौकरी की भूमिकाओं, विविधता और और समावेश भौती के बारे में जागरूक करते हुए कम समय में और यिना किसी लागत के प्रभावी रूप से ऑफलाइन मोड में व्यवहारिक आधार पर प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस सेमिनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग नीरजा शर्मा और इंजीनियरिंग मलीहा खानप को अधिकारी द्वारा धन्यवाद ज्ञापित किया गया।

6:08 am

चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में एक दिवसीय बेसीनार का सफल अपोजन किया गया।



न्यूज वापी दर्शन
इटाया। कर्मसुख लाभात् दी

निराकारी वाहन एवं कारोबार के लिये
संयोगिता ने सही दिशा में संखार कर

कार्यपट साइंस इन्जीनियरिंग प्रोसेसिंग एंड बॉल इंजीनियरिंग द्वारा द्वितीय अंतर्राष्ट्रीय फैसले के अनुसार 2025 तक ताकमी और गैर-ताकमी के बीच में संबंधित लागत प्रसंस्करण लकड़ी के मैदान में प्रगति विभागीय पर एक विद्युतीय नेटवर्क का संबंध जारी करना चाहिए। यह नियमित और प्राप्ति कानून

सिंह ने लियोगां गैरुल्या लैने पक्का
सिंह संप्रयोगीता एकलीलेस तो बदलने
का कारण लिया जा रहा है। उपरोक्त
पैदानाम में पलगनी पि विश्वविद्यालय
के कुलपति डॉस्टर इंद्रभिंशु निभा ने
उपरोक्त कल्याण वी सब जापानी प्र

प्रसंस्करण लक्ष्मी की विसाने
गी पट्टा से दूर हो जायगी तो
केवल मेरे बंधुवानों और विसाने ग्राहक
कर रहे हैं इन्हींने ऐसा को विसाने
करने गायान का रूप ग्राहने द्वारा भी
विसानिकों द्वारा विसानी के उत्थान के
लिए वार्षीय कारने का फैसला लिया।
विस्तृप्त शून्य के अन्तर्मने स्थानक
संस्कृत में लघुगत करता है कि दूर
उत्थान का लगभग 40% कारण
बदौद हो रहा है जो संस्कृत के

केवल नैतिक योग्यता के साथ ही वाले के लिए जीवन की अवधि और उनकी जीवनीय स्तर को बढ़ावा देना चाहिए। यह वालों के लिए एक अद्वितीय अवसर है।

को अनुभवी विदेशी के माध्यम से
विद्यालयीकों के द्वारा निरुद्ध नियाम
से बचाया जाता है। योग्यता तभी
दृष्टि सभी वीर विद्या के द्वारा नियाम
उस प्रश्न के आधीन रखने देती
प्रत्याहीन विद्या जा सकती है। यह वीर
की जन्म प्रोग्रेस पूरा नहीं दिलती, वीर
अजलि सुआवर सत्यापक प्राच्यापक
तावरि, वीर आनंद फिरोज सत्यापक
प्राच्यापक सीरियस इंडियनियर योग्यता
सोन, विद्या दिवेश्वर मुख्यमनी योग्यता

सीसेंग बुनार, सहायत मध्याम्भ विवाहित चाची, लौसर खुल्ला, कुमारी वैश्विक एवं शैक्षण्याद्य गत्साल हउन अपने व्याप्रालय प्रस्तुत विश्व गए लौसर काँची नैहन लौनार के जगोले हो जैक्कर खाल राता, योगेवत अदी

सिंह इंजीनियरिंग कंसल्टेंट्स खान ग्रन्ड
डॉक्टर हो के पठें डॉक्टर ही हो
महेश्वरी सहित सभी पो अवधार
इनियत किया इसी प्रकार पूर्ण बो
जीनार का प्रमुख लोकण जाते सो
हाथिंग ईश्वर इंजीनियरिंग केव गे
नीचवी वी शुभेश्वरी विविकामो और
स्मारक भट्टी के बारे में ज्ञानलक्ष
मरसो द्वारा उस राज्य में और विना
विनी सागर को प्राप्ती कर से
ओलालून नेह में वावापरिक आप

फक्त लैटिन एवं हिंदूनीसिय असाधारण तरह
तेज जानकारी उपलब्ध कराई गई।
इस वैज्ञानिक केंद्राण्डोजन पर बुनियादिति
नीलजा शर्मा और इंडोनीशियन वर्तीमान
सम्पन्न गोव्यविभिन्नता तथा समाजवाद विभिन्न
विषय गए।



दैनिक

ठुग्गा नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

अंक : ५५

कानपुर, गुरुवार ६ मार्च २०२५

RNI UPHIN / 2010/47220

पृष्ठ : ५

कानपुर समाचार

गुरुवार ६ मार्च २०२५

५

सीएसए के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार का आयोजन

अमर अध्यक्ष

आमपुर पु. एन टी। बटोरोलर
आयोड एवं विद्यावासन
कानपुर के अधीन संचालित कृषि
अभियंत्रण संकाय के कॉर्पोर
सार्केंस इंजीनियरिंग एवं प्रोमोशन
एंड कूट इंजीनियरिंग विभाग हारा
दिनांक २८ फरवरी २०२५ एवं ५
मार्च २०२५ को ही प्रमुख विद्यो
विभाग में तकनीकी और गैर-
तकनीकी भागी में गोपनीय एवं
अवगत एवं स्वतंत्र भागत के लिए
टिकाऊ और सुरक्षित साधा
प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति
विद्यों पर एक टिकमोय वेबीनार
का सफल आयोजन किया गया।
कूलपति दी भानुदेव कुमार सिंह
के निर्देश में इटाना कैंगड़ा गढ़
निर्देश एकात्मिक एक्सीलेस को

कहाने का कार्य किया जा रहा है।
उपरोक्त वेबीनार में यथानी कृषि
विद्यावासन के कौनपाल डॉक्टर
इंट्रमणि पिल्ला ने कृषिकृषि कर्मा
की मूल विद्यावासन एवं प्राथमिक कृषि
तकनीक अभी भी किसानों की
पर्यावरण से दूर है जबकि नृषि के
क्षेत्र में यंत्रोक्तियां को कियान प्रहर
कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों
को भगवन का रूप मानते हुए
कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के
जीवन के लिए कार्य करने को
प्रेरित किया। डॉक्टर एन के ज्ञान
ने अपने संवाद संचारण में
अवगत कराया कि कूल उत्पादन
का समावण ४०% उत्पाद बर्बाद
हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र
में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को
दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास

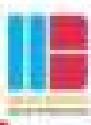
किए जाने चाहिए जो कि बहुत
आवश्यक है इस वेबीनार के
आयोडवन का प्रमुख उत्तराधिकारी
में अध्यानगत लाजाओं के साथ-
साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी
विशेषज्ञों के वापसी से कृषि
तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार
से अवगत कराना है। डॉक्टर ज्ञान
द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निर्दित
इस प्रकार के आयोजन करने हेतु
प्रोत्तम विद्या ज्ञा रहे हैं। डॉ.
धी दी ज्ञानी, डॉक्टर पूर्ण नव
दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर
उत्पादक प्राथ्यापक साहैर, डॉ
आनंद किशोर, संवादक
प्राथ्यापक सीनीयत, इंजीनियर
जोगेंद्र सीरन, विषय विशेषज्ञ
मधुवनी शॉक्टा, सीतेश नूनार,
उत्पादक प्राथ्यापक कृषि विद्यालय

राजी, डॉक्टर
शुशांक कुमारी,
वै. १११११ क
एवं हीआर आई
वरनाल द्वारा उपने
क्षमतावान प्रमुख
किए गए। डॉक्टर
ज्ञानी ने इन वेबीनार
के आयोजन हेतु
दोक्टर शुशांक गुणा,



प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग
कल्याण सान साम उत्पादन के
पर्यावरण की दो वहेश्वरी योजन
सभी को धन्यवाद जापित किया इनी
प्रकार पूर्ण के क्षेत्रीय एवं प्राथ्यापक
ज्ञानों को लगानी लैस, इंजीनियरिंग
क्षेत्र में नीचों को भूगिकाओं,
विविधताओं और समावेश भीती के
बारे में जागरूक करने हुए कम समय
गए।

अमर भारती



एक उम्मीद

www.amarbharti.com

दिल्ली, ०६ सेप्टेंबर

२०१२, शनिवार ०३ अ.

RNI No. UPHIN/2011/46455

दिल्ली, ०६ अप्रैल २०२५ तारीख संख्या १२४६, डिल्ली दृष्टि

संस्कृत
भाषा विद्या
विज्ञान
विज्ञान

कृषि अभियंत्रण नहाविद्यालय में हुआ वेबीनार

अमर भारती व्यूगे

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा २८ फरवरी एवं ५ मार्च २०२५ को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटाबा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एक्सीलेंस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनर में परवनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को



किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग ४०% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत

छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी. डॉ शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साबौर, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान खान डॉक्टर के पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद जापित किया।

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विधि के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सद्बुप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ तित्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।





इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ



इटावा/अवधनामा ब्लूरो। चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में शुक्रवार को शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ तत्पश्चात नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुसा, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एनके शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय, बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।

Oath taken in Agricultural Engineering College to make India drug free and dowry free



MASOOD TAIMURI (WednesdayTimes)

In the series of programs organized under the banner of International Women's Day in the Faculty of Agricultural Engineering, run under Etawah Chandrashekhar Azad University of Agriculture and Technology, Kanpur, as per the instructions of the government, under the supervision of Dr. NK Sharma, Dean, in the academic campus of the Agricultural Engineering College, first of all, an oath program was organized for the students and staff to make India dowry-free and drug-free. After that, a dance drama was presented by the students in the Netaji Auditorium. Along with this, Dr. Khushboo Gupta, Engineer Neeraj Sharma, Engineer Kashyap Khan, Maliha Khanam, Dr. Ajit Singh, Dr. D Singh, Dr. TK Maheshwari, Dr. KK Patel, etc. threw light on the status of women in the country. The program was conducted by Dr. Shweta Dubey. Dean Dr. NK Sharma expressed his condolences on the freedom of women and the atrocities being committed on them even in today's modern environment.

11:49 pm

कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ वेबीनार

अमर भारती व्यूगे

कानपुर। सीएसए के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कांप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग द्वारा 28 फरवरी एवं 5 मार्च 2025 को दो प्रमुख विषयों जिसमें तकनीकी और गैर तकनीकी भर्ती में रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ आनंद कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकेडमिक एवमीलेस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त वेबिनार में परबनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉक्टर इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण की



किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्पाद के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40% उत्पाद बर्बाद हो रहा है अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैंपस में अध्यनरत

छात्राओं के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु प्रोत्साहित किया जा रहे हैं। डॉ. पी. डॉ शर्मा, प्रोफेसर पूसा नह दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक साक्षीर, डॉ आनंद किशोर, सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन, विषय विशेषज्ञ मधुबनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय गंची, डॉक्टर खुशबू कुमारी, वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग काल्पक खान खान डॉक्टर कंका पटेल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया।

रहस्य संदेश

ल 67

शनिवार, 08 जारी 2025

लखनऊ व एवं से प्रकाशित

R.N.L No.: UPHIN/2007/20716

पृष्ठ 4

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ



अनवर अशरफ

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के बैनरतले आयोजित कार्यक्रमों की श्रृंखला में आज शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन के शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। तत्पक्षात् नेताजी संभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी, डॉक्टर के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन डॉक्टर श्रेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बढ़े विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।

शहर भूमि



शपथ ग्रहण कार्यक्रम में शामिल स्टॉफ व स्टूडेंट। • हिन्दुस्तान

छात्रोंको दिलाई नशा मुक्त भारत की शपथ

इटावा। कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक परिसर में विद्यार्थियों और स्टाफ को द्वेष शुद्धि और नशा मुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। वहाँ कॉलेज के नेताजी सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गयी। कार्यक्रम में देश में महिलाओं की स्थिति पर डॉ. खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, डॉ. अजीत सिंह, डॉ. डी. सिंह, डॉ. टी. के महेश्वरी, डॉ. के के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम में अधिष्ठाता डॉ एनके शमा मनीष सहाय मीडिया प्रभारी आदि मौजूद रहे।

किसानों को प्रभु का रूप मान उनके उत्थान का कार्य करें

कार्यालय संचाददाता, इटावा

अमृत विचार। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अधियंत्रण संकाय के कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग के तत्वावधान में सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय वेबीनार का आयोजन किया गया। कुलपति डॉ. आनंद कुमार सिंह के निदेशन में इटावा कैपस पर निरंतर एकडमिक एक्सीलेस को बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। वेबीनार में परबनी कृषि विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. इंद्रमणि मिश्रा ने अवगत कराया कि मूल्य संवर्धन



सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण पर वेबीनार में भाग लेते कृषि वैज्ञानिक।

एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है। कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को किसान ग्रहण

कर रहे हैं। इन्होंने देश के किसानों को प्रभु का रूप मानते हुए कृषि वैज्ञानिकों को किसानों के उत्थान

• सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक पर वेबीनार

के लिए कार्य करने को प्रेरित किया।

अधिष्ठाता कृषि इंजीनियरिंग कालेज डॉ. एनके शर्मा ने अवगत कराया कि कुल उत्पादन का लगभग 40 फीसदी उत्पाद बर्बाद हो रहा है। अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास करने चाहिए। वेबीनार के आयोजन का प्रमुख उद्देश्य कैपस में अध्यनरत विद्यार्थियों के साथ-साथ संकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में हो रहे नवाचार से अवगत कराना है। डॉ. पीडी शर्मा प्रोफेसर पूसा

समस्तीपुर, डॉ. अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक सावौर, डॉ. आनंद किशोर सहायक प्राध्यापक सोनीपत, इंजीनियर जोगेंद्र सोरन विषय विशेषज्ञ प्रधुबनी, डॉ. सीतेश कुमार सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय रांची, डॉ. खुशबू कुमारी वैज्ञानिक एनडीआरआई करनाल ने अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए। डॉ. शर्मा ने इन वेबीनार के आयोजन के लिए डॉ. खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कसफ खान, डॉ. केके पटेल, डॉ. टीके महेश्वरी सहित सभी को धन्यवाद ज्ञापित किया। इस वेबीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग कॉलेज के नीरज शर्मा और मलीहा खानम ने सहयोग दिया।

आज का कানপুর

বালাপুর স্কোল সম্মেলন, আজ, বিষয়: স্কোল পর্যটন, পর্যটন, শিক্ষা, আজ, স্কোল, প্রশাসন, কলেজ, কলেজ, স্কোল, স্কোল পর্যটন, স্কোল, পর্যটন, স্কোল পর্যটন, স্কোল, স্কোল পর্যটন

কৃষি ইঞ্জীনিয়ারিং কলেজ মে' নশা মুক্ত ও দহেজ মুক্ত ভারত বনানে কী হুই শপথ



আজ কা কানপুর

কানপুর। চন্দেশেখর আজাদ কৃষি এবং প্রৌদ্যোগিক বিশ্ববিদ্যালয় কানপুর কে অধীন সংচালিত কৃষি অভিযন্ত্রণ মহা বিদ্যালয় মে' অন্তর্রাষ্ট্রীয় মহিলা দিবস কে বৈনরতলে আয়োজিত কার্যক্রমে কৃষি ইঞ্জীনিয়ারিং কলেজ কে অকাদমিক পরিসর মে' সর্বপ্রথম বিদ্যার্থীয়ে ও স্টাফ কে দহেজ মুক্ত ও নশামুক্ত ভারত বনানে কে লিএ শপথ কা কার্যক্রম আয়োজিত হুআ। অত্যশ্চাত নেতাজী সভাগার মে' ছাত্র-ছাত্রাও' দ্বাৰা নৃত্য নাটকা প্ৰস্তুত কী গই

ইসী কে সাথ দেশ মে' মহিলাও' কী স্থিতি পৰ ডোক্টৰ খুশবু গুস্তা, ইঞ্জীনিয়ার নীরজ শৰ্মা, ইঞ্জীনিয়ার মলীহা খানম, ডোক্টৰ অজীত সিংহ, ডোক্টৰ ঢী সিংহ, ডোক্টৰ টী কে মহেশ্বরী, ডোক্টৰ কে পটেল আদি নে প্ৰকাশ ঢালা। কার্যক্রম কা সংচালন ডোক্টৰ শ্রেতা দুৰ্বে নে কিয়া। অধিষ্ঠাতা ডো এনকে শৰ্মা নে মহিলাও' কী স্বতন্ত্ৰতা ও আজ কে আধুনিক পৰিবেশ মে' ভী উনকে ঊপৰ হো রহে অত্যাচাৰো' পৰ অপনী সংবেদনা ব্যক্ত কী। অত মে' পঢ়ে বিশ্ববিদ্যালয় / বঢ়ে বিশ্ববিদ্যালয় কার্যক্রম কে অন্তৰ্গত সভী নে লাইব্ৰেৰী মে' জাকৰ অপনী মনপসং কিতাবো' কা অধ্যয়ন কিয়া।

हा, राध पर करना हांगा और काम

ों

टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक पर चर्चा

कानपुर। चंद्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय में कंप्यूटर साइंस इंजीनियरिंग और प्रोसेसिंग एंड फूड इंजीनियरिंग विभाग की ओर से बुधवार को वेबिनार हुआ। इसका विषय रोजगार के अवसर एवं स्वस्थ

भारत के लिए टिकाऊ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति रहा। इसमें परभणी कृषि विश्वविद्यालय के



कुलपति डॉ. हृष्ण मिश्रा ने कहा कि मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच से दूर है, जबकि कृषि के क्षेत्र में किसान अब तकनीक ग्रहण कर रहे हैं। डॉ. एनके शर्मा ने कहा कि कुल उत्पादन का लगभग 40 फीसदी उत्पाद बर्बाद हो रहा है। अतः संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले वैज्ञानिकों को दोहरी हानियों को रोकने का प्रयास करना चाहिए। वेबिनार में डॉ. पीडी शर्मा, डॉ. अंजलि सुधाकर, डॉ. आर्नंद किशोर, डॉ. सीतेश कुमार शामिल रहे। (व्यूरा)

2025/03/06

उत्तराखण्ड

अमर
रक्त
कार्य
यक्षों

Value addition and processing technology is still beyond the reach of farmers: Vice Chancellor

M A S O O D T A I M U R I

(WednesdayTimes)

The Department of Computer Science Engineering and Processing and Food Engineering of the Faculty of Agricultural Engineering, run under Etawah Chandrashekhar Azad Agricultural University, Kanpur, successfully organized a one-day seminar on 28 February and 5 March on two major topics, including employment opportunities in technical and non-technical recruitment and progress in sustainable and safe food processing technology for a healthy India. Under the guidance of Vice Chancellor Dr. Anand Kumar Singh, work is being done to continuously enhance academic excellence at the Etawah campus. In the above seminar, Vice Chancellor of Parwanji Agricultural University, Dr. Indramani Mishra said that value addition and processing technology are still beyond the reach of farmers, while farmers are adopting mechanization in the field of agriculture. He considered the farmers of the country as God and inspired agricultural scientists to work for the



upliftment of farmers. Dr. NK Sharma said that about 40% of the total production is getting wasted, so scientists working in the field of processing should make efforts to prevent double losses, which is very necessary. The main objective of organizing this seminar is to make the students studying in the campus as well as the faculty members aware of the innovations taking place in the field of agricultural technology through

experienced experts. Dr. Sharma is encouraging everyone to continuously organize such events in the field of education. Dr. PD Sharma, Professor Pusa New Delhi, Dr. Anjali Sudhakar Assistant Professor Sabour, Dr. Anand Kishore, Assistant Professor Sonipat, Engineer Jogendra Sonan, Subject Expert Madhubani Dr. Sitesh Kumar, Assistant Professor Agricultural School Ranchi, Dr. Khushboo Kumar, Scientist NDRI Karnal presented their lectures. Dr. Sharma thanked Dr. Khushboo Gupta, Professor Ajit Singh, Engineering Kasif Khan, Dr KK Patel, Dr TK Maheshwari and all others for organizing these webinars. Similarly, the main objective of the previous seminar was to make the students aware about hiring trends, job roles in engineering field, diversity and inclusion recruitment and provide information under practical based training and internship program in online mode in a short time and without any cost effectively. Engineering Neerja Sharma and Engineering Maliha Khanam were 7:25 pm Dean for organizing this seminar.

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ

दिग्राम टुडे, कानपुर।

चंद्रशेखर आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण महा विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के दैनिक आयोजित कार्यक्रमों की शुरुखला में आज शामन के निदेशानुसार हाँकर शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के अकादमिक पर सर्वप्रथम विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने के लिए शपथ का कार्यक्रम आयोजित हुआ। तत्पश्चात नेताजी समाजार में छात्र-छात्राओं

3



झारा नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी के साथ देश में महिलाओं की स्थिति पर हाँकटर खुशबू गुप्ता, इंजीनियर नीरज शर्मा, इंजीनियर मलीहा खानम, हाँकटर अजीत सिंह, हाँकटर डी सिंह, हाँकटर टी के महेश्वरी, हाँकटर के पटेल आदि ने प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन हाँकटर श्वेता दुबे ने किया। अधिष्ठाता हाँकटर शर्मा ने महिलाओं की स्वतंत्रता और आज के आधुनिक परिवेश में भी उनके काफ़र हो रहे अत्याचारों पर अपनी संवेदना व्यक्त की। अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बहु विश्वविद्यालय कार्यक्रम के अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर अपनी मनपसंद किताबों का अध्ययन किया।

रहस्य संदेश

पृष्ठ-65

गुरुवार, 16 मार्च 2023

लोकल एवं राजनीति

R.N.L. No.: UPMH/N/2007/20715

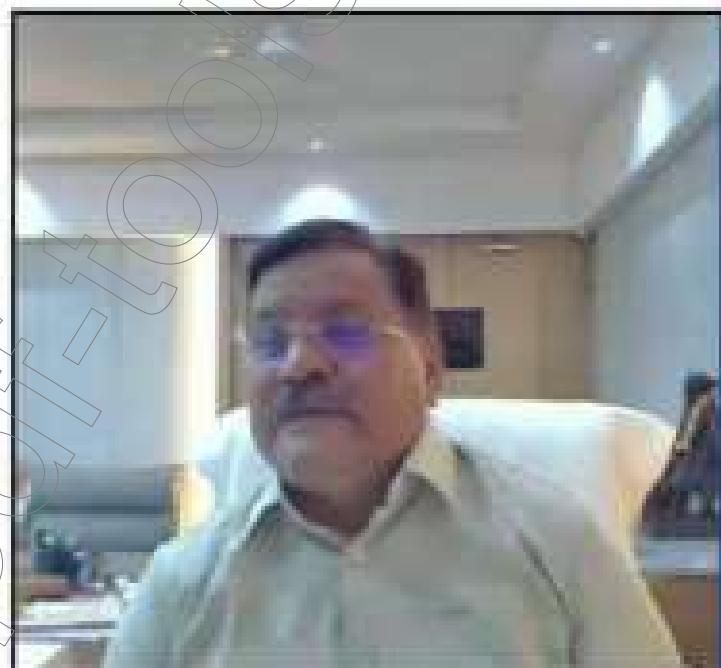
पृष्ठ-4

मुद्रा-

सीएसए के कृषि अभियंत्रण महाविद्यालय में हुआ बैचीनार का आयोजन

अनवर अशोक

बैंडरोमुख आजाद कृषि विभागिता लाइब्रेरी कानूनपुर के अधीन संचालित कृषि अभियंत्रण संकाय के कार्प्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग एवं प्रोसेसिंग एंड कृषि इंजीनियरिंग विभाग द्वारा दिनांक 28 फरवरी 2025 एवं 5 मार्च 2025 तो दो प्रमुख विषयों विस्तृत तकनीकी और गैर तकनीकी भांति में गोपनीय के अवसर एवं स्वास्थ्य भारत के लिए टिकाड़ और सुरक्षित खाद्य प्रसंस्करण तकनीक में प्रगति विषयों पर एक दिवसीय बैचीनार का सफल आयोजन किया गया। कुलपति डॉ जानेंद्र कुमार सिंह के निर्देशन में इटावा कैंपस पर निरंतर एकाधिक एकसीलींस वहो बढ़ाने का कार्य किया जा रहा है। उपरोक्त बैचीनार में पारबनी कृषि विभागिता के कुलपति डॉक्टर इंद्रभणि मिश्र ने अवगत कराया की मूल्य संवर्धन एवं प्रसंस्करण तकनीक अभी भी किसानों की पहुंच में दूर है जबकि कृषि के क्षेत्र में यंत्रीकरण को किसान ग्रहण कर रहे हैं इन्होंने देश के किसानों को भगवान कर हाथ मानते हुए कृषि बैचीनिकों को किसानों के उत्पादन के लिए कार्य करने को प्रेरित किया। डॉक्टर एन के शर्मा ने अपने स्वागत संबोधन में अवगत कराया कि कुल उत्पादन का सागर बैचीनार बढ़ाव दे रहा है अहं। संस्करण के क्षेत्र में कार्य करने वाले बैचीनिकों को दोहरी हानियों को रोकने के प्रयास किए जाने चाहिए जो कि बहुत आवश्यक है इस बैचीनार के आयोजन का प्रमुख उत्पादन कैंपस में अध्यनरत छात्रों के साथ-साथ अकाय सदस्यों को अनुभवी विशेषज्ञों के माध्यम से कृषि तकनीक के क्षेत्र में ही ही नवाचार से अवगत कराना है। डॉक्टर शर्मा द्वारा सभी को शिक्षा के क्षेत्र निरंतर इस प्रकार के आयोजन करने हेतु ग्रोलाइन किया जा रहे हैं। डॉ. पी. डी. शर्मा, प्रोफेसर पूसा नई दिल्ली, डॉ अंजलि सुधाकर सहायक प्राध्यापक सहायी, डॉ आनंद किशोर, सहायक



प्राध्यापक सौनीपति, इंजीनियर डॉ गोपेश लोरन, विषय विशेषज्ञ मधुवनी डॉक्टर सीतेश कुमार, सहायक प्राध्यापक कृषि विद्यालय गंधी, डॉक्टर खुशबू कुमारी, बैचीनिक एनडीआरआई करनाल द्वारा अपने व्याख्यान प्रस्तुत किए गए। डॉक्टर शर्मा ने इन बैचीनार के आयोजन हेतु डॉक्टर खुशबू गुप्ता, प्रोफेसर अजीत सिंह, इंजीनियरिंग कलाकार खान खान डॉक्टर के के परेंटल डॉक्टर टी के महेश्वरी सहित सभी जो धन्यवाद जापित किया इसी प्रकार पूर्व के बैचीनार का प्रमुख उद्देश्य छात्रों को हाथरिंग देंहम। इंजीनियरिंग क्षेत्र में नीकरी को भूमिकाओं, विविधाताओं और समावेश भांति के बारे में जागरूक करते हुए कम समय में और बिना किसी लागत के प्रभावी काम से ऑनलाइन मोड में व्यवहारिक आधार पर प्रशिक्षण एवं इंटर्नशिप कार्यक्रम के तहत जानकारी उपलब्ध कराई गई। इस बैचीनार के आयोजन पर इंजीनियरिंग नौजवान शर्मा और इंजीनियरिंग मलीहा खानम को अधिष्ठाता द्वारा धन्यवाद जापित किया गया।



दैनिक उद्योग नगरी टाइम्स

E-mail : dainikudyognagritimes@gmail.com

सत्य ही कर्तव्य

पर्यंत: 15

अंक: ५१

कानपुर, शनिवार ४ मार्च 2025

RNI UPHIN/2010/47220

पृष्ठ:



उद्योग नगरी टाइम्स

हिन्दी दैनिक

कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज में नशा मुक्त और दहेज मुक्त भारत बनाने की हुई शपथ



अनवर अशरफ
कानपुर यू एन टी। चंद्रशेखर
आजाद कृषि एवं प्रौद्योगिकी
विश्वविद्यालय कानपुर के अधीन
संचालित कृषि अभियंत्रण महा
विद्यालय में अंतर्राष्ट्रीय महिला
दिवस के बैनरतले आयोजित
कार्यक्रमों की शृंखला में आज
शासन के निर्देशानुसार डॉक्टर एन
के शर्मा, अधिष्ठाता की देख रेख

में कृषि इंजीनियरिंग कॉलेज के
अकादमिक परिसर में सर्वप्रथम
विद्यार्थियों और स्टाफ को दहेज
मुक्त और नशामुक्त भारत बनाने
के लिए शपथ का कार्यक्रम
आयोजित हुआ तत्पक्षात् नेताजी
सभागार में छात्र-छात्राओं द्वारा
नृत्य नाटिका प्रस्तुत की गई इसी
के साथ देश में महिलाओं की
स्थिति पर डॉक्टर खुशबू गुप्ता,

इंजीनियर नीरज शर्मा,
इंजीनियर मलीहा खानम,
डॉक्टर अजीत सिंह, डॉक्टर डी
सिंह, डॉक्टर टी के महेश्वरी,
डॉक्टर के के पटेल आदि ने
प्रकाश डाला। कार्यक्रम का
संचालन डॉक्टर श्वेता दुबे ने
किया। अधिष्ठाता डॉ एन के शर्मा
ने महिलाओं की स्वतंत्रता और
आज के आधुनिक परिवेश में
भी उनके ऊपर हो रहे अत्याचारों
पर अपनी संवेदना व्यक्त की।
अंत में पढ़े विश्वविद्यालय / बड़े
विश्वविद्यालय कार्यक्रम के
अंतर्गत सभी ने लाइब्रेरी में जाकर
अपनी मनपसंद किताबों का
अध्ययन किया।